Rajasthan Board Class 10, 2026 Hindi (01) Question Paper with Solutions

Time Allowed :3 Hours	Maximum Marks :100	Total Questions :29

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए :

1. परीक्षा के 15 मिनट छात्रों का प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
3. यह प्रश्न-पत्र दो खंडों – खंड 'अ' तथा खंड 'ब' में विभाजित है ।
4. खंड 'अ' के बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है । बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु नकारात्मक अंक की व्यवस्था नहीं है । अत: सभी प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास कीजिए ।
5. ओ.एम.आर. शीट पर उत्तर देने के प्रयास संबंधित गोलों को काटे नहीं तथा इरेजर एवं हाइटलाइटर का प्रयोग न करें ।
6. प्रत्येक प्रश्न के समुच्य उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं ।
7. खंड 'ब' के प्रश्नों के उत्तर यथासंभव क्रमानुसार लिखने का प्रयास कीजिए जो प्रश्न नहीं आता हो उस पर समय नष्ट मत कीजिए ।
8. वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देते समय सुंदर, स्पष्ट एवं पठनीय लेखन पर विशेष ध्यान दीजिए ।

---

1. नेताजी की मूर्ति किस की बनी थी ?

(A) लोहे की
(B) पीतल की
(C) संगमरमर की
(D) मिट्टी की

Correct Answer : (C) संगमरमर की

Solution :

Step 1 : पाठ का संदर्भ ।
यह प्रश्न स्वयं प्रकाश द्वारा रचित कहानी 'नेताजी का चश्मा' से लिया गया है । कहानी के अनुसार, कस्बे के मुख्य बाजार के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की एक प्रतिमा लगाई गई थी ।

Step 2 : मूर्ति की विशेषता ।
कहानी में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि वह मूर्ति टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक लगभग दो

फुट ऊँची थी और पूरी तरह से **संगमरमर** की बनी थी ।

Step 3 : विकल्पों का विश्लेषण ।
(A) लोहे की – गलत । (B) पीतल की – गलत । (C) संगमरमर की – सही उत्तर । (D) मिट्टी की – गलत ।

Step 4 : निष्कर्ष ।
अतः, नेताजी की मूर्ति **(C) संगमरमर की** बनी थी ।

> **Quick Tip**
>
> मूर्ति तो संगमरमर की थी, लेकिन उस पर चश्मा असली (फ्रेम वाला) पहनाया गया था, जो इस कहानी का मुख्य आकर्षण है ।

---

2. ऐसे शब्द जिनके स्वरूप में लिंग, वचन, काल आदि के प्रभाव से कोई विकार नहीं होता – क्या कहलाते है ?

(A) संज्ञा
(B) अव्यय
(C) विशेषण
(D) क्रिया

Correct Answer : (B) अव्यय

Solution :

Step 1 : व्याकरणिक आधार ।
हिंदी व्याकरण में शब्दों को विकार के आधार पर दो भागों में बाँटा गया है : विकारी और अविकारी । अविकारी शब्दों को ही 'अव्यय' कहा जाता है ।

Step 2 : विकल्पों का विश्लेषण ।
अव्यय वे शब्द हैं जिनका रूप कभी नहीं बदलता, चाहे वाक्य में लिंग, वचन या काल कुछ भी हो (जैसे : धीरे-धीरे, किंतु, ऊपर) । संज्ञा, विशेषण और क्रिया विकारी शब्द हैं क्योंकि इनका रूप बदल जाता है ।

Step 3 : निष्कर्ष ।
अतः, सही उत्तर **(B) अव्यय** है ।

> **Quick Tip**
>
> 'अव्यय' शब्द का अर्थ है— 'अ' (नहीं) + 'व्यय' (परिवर्तन), अर्थात जिसमें कोई बदलाव न हो ।

3. निम्नलिखित में से 'समाचार' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है ?

(A) सम्
(B) सम
(C) चार
(D) स

Correct Answer : (A) सम्

Solution :

Step 1 : शब्द विच्छेद ।
'समाचार' शब्द का विन्यास इस प्रकार है : **सम् + आ + चार**। यहाँ 'सम्' और 'आ' दो उपसर्ग प्रयुक्त हुए हैं ।

Step 2 : विकल्पों का विश्लेषण ।
संस्कृत उपसर्ग 'सम्' (म के नीचे हलंत) का अर्थ 'भली-भाँति' या 'अच्छी तरह' होता है । विकल्प (B) में 'म' में हलंत नहीं है, इसलिए वह अशुद्ध है ।

Step 3 : निष्कर्ष ।
मुख्य उपसर्ग के रूप में विकल्प **(A) सम्** सही है ।

> **Quick Tip**
>
> उपसर्ग वे शब्दांश होते हैं जो शब्द के शुरू में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता लाते हैं ।

---

4. मन्नू भण्डारी का जन्म हुआ था –

(A) अजमेर
(B) लखनऊ
(C) दिल्ली
(D) भानपुरा

Correct Answer : (D) भानपुरा

Solution :

Step 1 : लेखक परिचय ।
मन्नू भण्डारी हिंदी की सुप्रसिद्ध लेखिका हैं, जिन्होंने 'नई कहानी' आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया ।

Step 2 : जन्म स्थान का विवरण ।
उनका जन्म 3 अप्रैल, 1931 को मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के **भानपुरा** गाँव में हुआ था ।

Step 3 : निष्कर्ष ।
विकल्पों के आधार पर उनका जन्म स्थान **(D) भानपुरा** सही है ।

Quick Tip

यद्यपि उनका जन्म भानपुरा में हुआ था, लेकिन उनकी अधिकांश शिक्षा और साहित्य-साधना अजमेर में हुई ।

---

5. अकेले सफर का वक्त काटने के लिए नवाब साहब ने क्या खरीदे ?

(A) खीरे
(B) अखबार
(C) सेकंड क्लास का टिकट
(D) पानी

Correct Answer : (A) खीरे

Solution :

Step 1 : पाठ का संदर्भ ।
यह प्रश्न यशपाल द्वारा लिखित व्यंग्य कहानी 'लखनवी अंदाज़' से लिया गया है ।

Step 2 : घटनाक्रम का विवरण ।
लेखक जब ट्रेन के डिब्बे में प्रवेश करते हैं, तो देखते हैं कि सामने वाली सीट पर लखनऊ के एक नवाब साहब बैठे थे, जिन्होंने अपने सामने दो ताजे **खीरे** तौलिए पर सजा रखे थे ।

Step 3 : निष्कर्ष ।
नवाब साहब ने अकेले सफर में समय काटने के लिए शौक के तौर पर **(A) खीरे** खरीदे थे ।

Quick Tip

नवाब साहब ने खीरे काटकर, सूंघकर खिड़की से बाहर फेंक दिए थे, जो उनके 'दिखावटी रईसी' स्वभाव को दर्शाता है ।

6. नेताजी की मूर्ति किस की बनी थी ?

(A) लोहे की
(B) पीतल की
(C) संगमरमर की
(D) मिट्टी की

Correct Answer : (C) संगमरमर की

Solution :

Step 1 : कहानी का संदर्भ ।
यह प्रश्न स्वयं प्रकाश की प्रसिद्ध कहानी 'नेताजी का चश्मा' से लिया गया है ।

Step 2 : मूर्ति की बनावट ।
कस्बे के मुख्य चौराहे पर नगरपालिका द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की एक सुंदर प्रतिमा लगवाई गई थी, जो **संगमरमर** की बनी थी ।

Step 3 : निष्कर्ष ।
अतः, सही उत्तर **(C) संगमरमर की** है ।

Quick Tip

मूर्ति तो संगमरमर की थी, लेकिन उस पर चश्मा असली पहनाया जाता था, जिसे 'कैप्टन चश्मे-वाला' बदलता रहता था ।

---

7. 'दंतुरित मुसकान' की मोहकता कब और बढ़ जाती है ?

(A) जब बच्चा रोने लगता है
(B) जब झोंपड़ी में कमल खिल जाते हैं
(C) जब पत्थर पिघलने लगता है
(D) जब उसके साथ नजरों का बांकपन जुड़ जाता है

Correct Answer : (D) जब उसके साथ नजरों का बांकपन जुड़ जाता है

Solution :

Step 1 : पाठ का संदर्भ ।
यह प्रश्न कवि नागार्जुन द्वारा रचित कविता 'यह दंतुरित मुसकान' से लिया गया है । इस कविता में कवि ने एक छोटे बच्चे की पहली बार निकलने वाले दाँतों वाली मुस्कान का मनमोहक वर्णन किया है ।

Step 2 : काव्य भाव का विश्लेषण ।
कवि के अनुसार, बच्चे की मुस्कान वैसे ही बहुत सुंदर है, लेकिन जब बच्चा कवि को तिरछी नजरों (बांकपन) से देखता है और फिर आँखें मिलते ही मुस्कुरा देता है, तो उस मुस्कान की सुंदरता और भी अधिक बढ़ जाती है ।

Step 3 : विकल्पों का विश्लेषण ।
(A) बच्चे का रोना मुस्कान की मोहकता नहीं बढ़ाता ।
(B) और (C) कविता में प्रयुक्त अलंकारिक उपमान हैं, जो मुस्कान के प्रभाव को दर्शाते हैं ।
(D) 'नजरों का बांकपन' वह विशेष क्रिया है जो मुस्कान में नया आकर्षण पैदा करती है ।

Step 4 : निष्कर्ष ।
अतः, सही उत्तर विकल्प **(D)** है ।

> **Quick Tip**
>
> 'दंतुरित मुसकान' का अर्थ है— छोटे-छोटे नए दाँत निकलने पर बच्चे की स्वाभाविक और निश्छल मुस्कान ।

---

8. मुख्य गायक का स्वर कैसा है ?

(A) चट्टान जैसा भारी
(B) गूँजता हुआ
(C) कमजोर, काँपता हुआ
(D) उत्साहित

Correct Answer : (A) चट्टान जैसा भारी

Solution :

Step 1 : पाठ का संदर्भ ।
यह प्रश्न मंगलेश डबराल द्वारा रचित कविता 'संगतकार' से लिया गया है ।

Step 2 : काव्य पंक्ति का विश्लेषण ।
कविता की प्रारंभिक पंक्तियों में ही उल्लेख है— "मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती..." । यहाँ मुख्य गायक के स्वर की तुलना चट्टान से की गई है जो उसकी गंभीरता और गहराई को दर्शाता है ।

Step 3 : निष्कर्ष ।
अतः, मुख्य गायक का स्वर (A) **चट्टान जैसा भारी** है ।

> **Quick Tip**
>
> 'संगतकार' मुख्य गायक के भारी स्वर को अपनी कोमल आवाज से सहारा देकर उसे बिखरने से बचाता है ।

---

9. बाबूजी आटे की गोलियाँ बनाकर कहाँ ले जाते थे ?

(A) भोलाराम के साथ खेलने
(B) कबूतरों को देने
(C) मछलियों को खिलाने
(D) गाय को खिलाने

Correct Answer : (C) मछलियों को खिलाने

Solution :

Step 1 : पाठ का संदर्भ ।
यह प्रश्न शिवपूजन सहाय द्वारा लिखित पाठ 'माता का अंचल' से लिया गया है ।

Step 2 : घटनाक्रम का विवरण ।
पाठ में बताया गया है कि लेखक के बाबूजी रामायण पाठ करने के बाद अपनी 'रामनामा बही' पर हजार राम-नाम लिखते थे । उसके बाद वे कागज के छोटे-छोटे टुकड़ों पर 'राम' नाम लिखकर उन्हें आटे की गोलियों में लपेटते थे ।

Step 3 : स्थान और उद्देश्य ।
वे उन 500 गोलियों को लेकर गंगा जी के किनारे जाते थे और एक-एक गोली फेंककर **मछलियों** को खिलाते थे ।

Step 4 : निष्कर्ष ।
अतः, सही उत्तर विकल्प (C) **मछलियों को खिलाने** है ।

> **Quick Tip**
>
> बाबूजी के इस कार्य से उनके धार्मिक स्वभाव और जीव-जंतुओं के प्रति प्रेम का पता चलता है ।

---

10. ऐसे शब्द जिनके स्वरूप में लिंग, वचन, काल आदि के प्रभाव से कोई विकार नहीं होता – क्या कहलाते है ?

(A) संज्ञा
(B) अव्यय
(C) विशेषण
(D) क्रिया

Correct Answer : (B) अव्यय

Solution :

Step 1 : परिभाषा की पहचान ।
हिंदी व्याकरण में वे शब्द जिनमें लिंग, वचन, कारक या काल के कारण कोई परिवर्तन (विकार) नहीं आता, उन्हें 'अव्यय' या 'अविकारी शब्द' कहा जाता है ।

Step 2 : विकल्पों का विश्लेषण ।
(A) संज्ञा – यह एक विकारी शब्द है, क्योंकि इसमें लिंग और वचन के आधार पर परिवर्तन होता है (जैसे : लड़का/लड़की) ।
(B) अव्यय – यह सही उत्तर है । ये शब्द सदैव एक समान रहते हैं (जैसे : धीरे-धीरे, और, तथा) ।
(C) विशेषण – यह भी विकारी शब्द है, जो संज्ञा के अनुसार बदलता है (जैसे : काला/काली) ।
(D) क्रिया – यह विकारी शब्द है, जो काल और लिंग के अनुसार बदलता है (जैसे : जाता है/जाती है) ।

Step 3 : निष्कर्ष ।
अतः, सही उत्तर **(B) अव्यय** है ।

Quick Tip

'अव्यय' का शाब्दिक अर्थ ही है— 'जो व्यय न हो' अर्थात जिसमें कोई बदलाव न हो ।

---

11. निम्नलिखित में से 'समाचार' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है ?

(A) सम्
(B) सम
(C) चार
(D) स

Correct Answer : (A) सम्

Solution :

Step 1 : शब्द विच्छेद ।
'समाचार' शब्द का निर्माण दो उपसर्गों और एक मूल शब्द के योग से हुआ है : **सम् + आ + चार**।

Step 2 : विकल्पों का विश्लेषण ।
(A) सम् – यह सही उपसर्ग है । 'सम्' (म के नीचे हलंत) का प्रयोग पूर्णता या अच्छी तरह के अर्थ में होता है ।
(B) सम – यह भ्रमित करने वाला विकल्प है, यहाँ 'म' हलंतयुक्त होना चाहिए ।
(C) चार – यह मूल शब्द है, उपसर्ग नहीं ।
(D) स – यह गलत उपसर्ग है ।

Step 3 : निष्कर्ष ।
यहाँ 'सम्' मुख्य उपसर्ग के रूप में प्रयुक्त हुआ है, इसलिए विकल्प (A) सही है ।

Quick Tip

उपसर्ग वे शब्दांश हैं जो किसी शब्द के आरम्भ में लगकर उसके अर्थ को बदल देते हैं । 'समाचार' में दो उपसर्ग (सम् + आ) प्रयुक्त हैं ।

---

12. मन्नू भण्डारी का जन्म हुआ था –

(A) अजमेर
(B) लखनऊ
(C) दिल्ली
(D) भानपुरा

Correct Answer : (D) भानपुरा

Solution :

Step 1 : लेखक परिचय ।
मन्नू भण्डारी हिंदी साहित्य की 'नई कहानी' आंदोलन की एक सशक्त लेखिका हैं ।

Step 2 : जन्म स्थान का विवरण ।
उनका जन्म 3 अप्रैल, 1931 को मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के **भानपुरा** नामक गाँव में हुआ था ।

Step 3 : विकल्पों का विश्लेषण ।
यद्यपि उनका बचपन और शिक्षा अजमेर में बीती, किंतु जन्म स्थान के आधार पर विकल्प (D) सही है ।

Step 4 : निष्कर्ष ।
अतः, सही उत्तर **(D) भानपुरा** है ।

> **Quick Tip**
>
> मन्नू भण्डारी के प्रसिद्ध उपन्यास 'आपका बंटी' और 'महाभोज' हिंदी साहित्य की कालजयी कृतियाँ हैं ।

---

13. 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में भारत के किस राज्य की यात्रा का वर्णन है ?

(A) सिक्किम
(B) अरुणाचल प्रदेश
(C) असम
(D) हिमाचल प्रदेश

Correct Answer : (A) सिक्किम

Solution :

Step 1 : पाठ का संदर्भ ।
यह प्रश्न मधु कांकरिया द्वारा रचित यात्रा-वृत्तांत 'साना-साना हाथ जोड़ि' से लिया गया है ।

Step 2 : स्थान की पहचान ।
इस पाठ में लेखिका ने पूर्वोत्तर भारत के राज्य **सिक्किम** और उसकी राजधानी गंगटोक की प्राकृतिक सुंदरता, वहाँ के हिमालयी दृश्यों और जनजीवन का वर्णन किया है ।

Step 3 : निष्कर्ष ।
अतः, सही उत्तर विकल्प **(A) सिक्किम** है ।

> **Quick Tip**
>
> लेखिका ने गंगटोक को 'सितारों भरे आसमान' जैसा सुंदर और 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' बताया है ।

---

14. 'अज्ञेय' ने हिरोशिमा पर कविता लिखी –

(A) जापान में
(B) हिरोशिमा में
(C) भारत लौटकर
(D) अस्पताल में

Correct Answer : (C) भारत लौटकर

Solution :

Step 1 : पाठ का संदर्भ ।
यह प्रश्न अज्ञेय जी के प्रसिद्ध निबंध 'मैं क्यों लिखता हूँ ?' से संबंधित है ।

Step 2 : घटनाक्रम ।
जापान यात्रा के दौरान लेखक ने हिरोशिमा में एक पत्थर पर छपी 'मानव-छाया' देखी थी, जो परमाणु विस्फोट की त्रासदी का प्रतीक थी ।

Step 3 : कविता का सृजन ।
वह अनुभव लेखक के भीतर एक आंतरिक विवशता (अनुभूति) बन गया, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने यह कविता **भारत लौटकर** रेलगाड़ी में सफर करते हुए लिखी ।

Step 4 : निष्कर्ष ।
अतः, सही विकल्प **(C) भारत लौटकर** है ।

> **Quick Tip**
>
> लेखक के अनुसार, 'अनुभव' की तुलना में 'अनुभूति' लेखन के लिए अधिक आवश्यक और गहरी होती है ।

---

15. 'उत्साह' कविता में 'निराला' ने बादल का चित्रण किस रूप में किया है ?

Solution :
'उत्साह' कविता में महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ने बादल का चित्रण बहुआयामी रूपों में किया है । कवि ने बादल को केवल पानी बरसाने वाले माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि शक्ति और परिवर्तन के प्रतीक के रूप में देखा है :

1. **क्रांतिकारी कवि के रूप में :** निराला जी ने बादलों को एक ऐसे क्रांतिकारी कवि के रूप में चित्रित किया है, जो अपनी गर्जना से सोए हुए समाज में चेतना और उत्साह का संचार करता है ।
2. **कल्याणकारी और जीवनदाता के रूप में :** बादल तपती धरती को शीतलता प्रदान करते हैं और विश्व के पीड़ित, प्यासे जन की आकांक्षाओं को पूरा करने वाले सुखद संदेशवाहक हैं ।
3. **विनाशक और सृजनकर्ता के रूप में :** बादल में जहाँ एक ओर 'वज्र' जैसी विनाशकारी शक्ति छिपी

है, वहीं दूसरी ओर वह नई सृष्टि की रचना करने वाला 'नव-जीवन' का संचारक भी है ।

Quick Tip

इस उत्तर में 'क्रांति' और 'नव-निर्माण' जैसे शब्दों का प्रयोग करने से परीक्षक पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है ।

---

16. 'अट नहीं रही है' कविता में कवि ने फागुन की सुंदरता को किन संदर्भों में देखा है ?

Solution :
'अट नहीं रही है' कविता में फागुन मास की व्यापक सुंदरता का वर्णन निम्नलिखित संदर्भों में किया गया है :

1. **प्राकृतिक वैभव :** फागुन की शोभा इतनी अधिक है कि वह प्रकृति के शरीर में समा नहीं पा रही है । पेड़ों की डालियाँ लाल-हरे पत्तों और रंग-बिरंगे फूलों से लद गई हैं ।
2. **मादकता और सुगंध :** फागुन की हवा इतनी सुगंधित है कि ऐसा प्रतीत होता है मानो प्रकृति स्वयं सांस लेकर अपनी खुशबू चारों ओर बिखेर रही है । यह सुगंध मन को प्रसन्न और उमंगित कर देती है ।
3. **सर्वव्यापकता :** कवि ने इस सुंदरता को इतना असीमित पाया है कि उनकी आँखें चाहकर भी इस सौंदर्य से हट नहीं पा रही हैं । घर-घर में फागुन का उल्लास और चमक बिखरी हुई है ।

Quick Tip

फागुन के सौंदर्य की तुलना 'मानवीय उल्लास' से करते हुए उत्तर को समाप्त करें ।

---

17. 'संगतकार' कविता में कवि ने किसकी भूमिका का महत्त्व बताया है ?

Solution :
'संगतकार' कविता में कवि मंगलेश डबराल ने मुख्य गायक के साथ स्वर मिलाने वाले सहायक कलाकार (संगतकार) की भूमिका के महत्त्व को रेखांकित किया है ।
1. **शक्ति और सहारा :** संगतकार मुख्य गायक की लड़खड़ाती आवाज़ को सहारा देता है और उसे यह अहसास कराता है कि वह अकेला नहीं है ।
2. **त्याग की भावना :** वह अपनी आवाज़ को मुख्य गायक की आवाज़ से ऊँचा न उठाकर अपनी मानवीयता और त्याग का परिचय देता है ताकि मुख्य गायक का प्रभाव बना रहे ।
3. **सफलता का आधार :** किसी भी क्षेत्र में सफलता के पीछे केवल मुख्य व्यक्ति का हाथ नहीं होता, बल्कि उन गुमनाम सहायकों का भी बड़ा योगदान होता है जो पर्दे के पीछे रहकर काम करते हैं ।

Quick Tip

इस कविता के माध्यम से कवि समाज के उन लोगों को सम्मान देना चाहते हैं जो अपनी प्रतिभा को दूसरों की सफलता के लिए समर्पित कर देते हैं ।

---

18. 'गैंगटॉक' का असली नाम क्या है और इसका क्या अर्थ है ? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए ।

Solution :
'साना-साना हाथ जोड़ि' यात्रा-वृत्तांत के आधार पर गैंगटॉक (गंतोक) का विवरण निम्नलिखित है :
1. **असली नाम :** लेखिका मधु कांकरिया के अनुसार गैंगटॉक का असली नाम 'गंतोक' (Gantok) है ।
2. **अर्थ :** 'गंतोक' शब्द का स्थानीय भाषा में अर्थ होता है - 'पहाड़' ।
3. **महत्त्व :** यह सिक्किम की राजधानी है और अपनी प्राकृतिक सुंदरता, श्वेत पताकाओं और मेहनती लोगों के कारण जाना जाता है । इसे 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' भी कहा गया है ।

Quick Tip

गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' इसलिए कहा गया है क्योंकि यहाँ के लोगों ने अपनी कड़ी मेहनत से इस कठिन पहाड़ी क्षेत्र को बेहद सुंदर और रहने योग्य बनाया है ।